Dainik Bhaskar (Indore), 18th March 2022, Page-02

आईआईटी का नया शोध मस्तिष्क व रीढ़ की हड्डी के रोग दूर करेगा

इंदौर | आईआईटी इंदौर ने एक नया शोध किया है, जो मेनिनजाइटिस के उपचार में मदद करेगा। यह शोध अमेरिकन केमिकल सोसायटी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यह शोध प्रो. अमित कुमार की अगुआई में नेहा जैन और उमा शंकर ने किया। आईआईटी इंदौर के बायो साइंस एंड

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. अमित कुमार ने बताया बैक्टीरिया के खिलाफ नई चिकित्सकीय रणनीति विकसित करने में इस शोध का उपयोग किया जा सकेगा। दरअसल, निसेरिया बैक्टीरिया फैमिली में दो रोगजनक होते हैं। हमारे समूह ने ऐसे अलग-अलग जीनोमिक क्षेत्रों की पहचान की है, जो केवल रोगजनक निसेरिया प्रजातियों में मौजूद हैं और इन रोग पैदा करने वाले एजेंटों को खत्म करने के लिए उन्हें चयनात्मक लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

मेनिनजाइटिस एक गंभीर संक्रमण है, जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के आसपास की सुरक्षात्मक परत को प्रभावित करता है। यह मुख्यतः निसेरिया मेनिंगिटिडिस बैक्टीरिया से फैलता है। कोरोना की तरह यह भी एक से दूसरे व्यक्ति में हवा के जरिये फैलता है। शोध के दौरान बैक्टीरिया के जीनोम में विभिन्न एवोलुशनरी कन्सर्व्ड रीजन की पहचान की है, जो एक अद्वितीय डीएनए सेकंडरी संरचना बनाते हैं। अध्ययन के लिए विभिन्न कम्प्यूटेशनल और प्रयोगशाला-आधारित प्रयोग किए गए, जिससे पता चला कि इन संरचनाओं को टारगेट करने से मेनिंगिटिडिस की वृद्धि कम हो जाती है। शोध समूह अब ऐसे नए अणुओं की जांच कर रहा है जो इन संरचनाओं को लक्षित कर सकते हैं।